जा रही मिलों में कितना उत्पादन हुआ है और उक्त अवधि के दौरान लाभ/हानि का लेखा-जोखा क्या है ;

(ख) इन मिलों के कार्यनिष्पादन में सुधार लाने के लिए क्या परियोजनाएं बनाई गई हैं ; और

(ग) अब तक आधुनिकीकरण निधि में से राष्ट्रीय वस्त्र निगम गुजरात को कितनी धनराशि उपलब्ध कराई गई है और इस धनराशि से आधुनिकीकरण कौन-कौन सी स्कीमें प्रारम्भ की गई हैं ?

वस्त्र मंत्री और साथ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री शरद यादव) : (क) वर्ष 1987-88 और 1988-89 के दौरान गुजरात में एन० टी० सी० मिलों के मार्किट यार्न और कपड़े के उत्पादन तथा निवल घाटों के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :—

वर्ष	उत्पादन		निवल घाटे
	बाजार यार्न (लाख कि० ग्रा० में)	कपड़ा (लाख मीटरों में)	(करोड़ रु० में)
1987-88	6.91	1092.07	31.02
1988-89	9.07	1178.48	39.28

(ख) एन०टी०सी० ने इन मिलों के कार्य-निष्पादन में सुधार करने के लिए जो विभिन्न योजनाएं बनाई हैं उनमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) अलाभकारी क्षमताओं की कांट-छांट ।

(2) उच्चतर उत्पादकता ।

(3) श्रमिक युक्तिकरण ।

(4) उच्चतर यार्न उत्पाद ।

(5) उत्पाद उन्नयन ।

(6) निर्यात बाजार का विकास ।

(ग) एन०टी०सी० मिलों के आधुनिकीकरण के लिए भारतीय औद्योगिक विकास बैंक आई० डी० बी० आई० ने जो 100 करोड़ रुपए (वस्त्र आधुनिकीकरण निधि में से) की राशि निधारित की उसमे से एन० टी० सी० (गुजरात) लिमिटेड की मिलों के आधुनिकीकरण का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

Export of chillies

1239. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to augment the export of chillies in order to avert steep fall in the prices of chillies; and

(b) if so, what are the details thereof;

THE MINISTER OF COMMERCE AND TOURISM (SHRI ARUN KUMAR NEHRU) (a) and (b) Exports constitute only about 1% of the total production of chillies in the country. Increase in exports will, therefore, not have much impact on the internal prices which are mainly governed by internal demand-supply situation. However, apart from the other measures undertaken by the Spices Board for promotion of export of spices (which include chillies also), the Board has invited a delegation from Sri Lanka which is our major market for chillies.

It may be mentioned that during April 1989 to January 1990, exports of chillies have gone up to 6973 tonnes valued at Rs. 15.1 crores, as compared to 1250 tonnes valued at Rs. 2.27 crores in the corresponding period of the previous year.